टाइगर रिजर्व में 35 से अधिक बाघ-बाघों की सुरक्षा के लिए होगा श्वानों का वैक्सीनेशन

कैनाइन डिस्टेंपर से पांच बाघों की मौत के बाद वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में अलर्ट

240 कुत्तों का वैक्सीनेशन गाय भैंस को भी टीके

पीपुल्स प्रवक्ता तेंदूखेड़ा।

कान्हा टाइगर रिजर्व में कैनाइन डिस्टेंपर वायरस से बाघिन टी-141 समेत उसके चार शावकों की मौत के बाद वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। यहां अनुमानित 35 बाघों की निरंतर निगरानी और सख्त कर दी गई है वन अधिकारियों ने बाघों के साथ-साथ तेंदुओं की सुरक्षा के लिए विशेष मॉनिटरिंग अभियान शुरू कर दिया है। इस वायरस से प्रभावित जानवर धीरे-धीरे कमजोर पड़ जाता है, उसकी याददाश्त भी चली जाती है। दो साल पहले देवास में तेंदुए को यह संक्रमण हुआ था जिससे उसकी याददाश्त चली गई थी वह कमजोर हुआ तो लोगों ने उसके साथ वीडियो बनाए। यहां तक की उसके ऊपर भी बैठ गए थे जो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे।

कुत्तों और बिल्ली प्रजाति के जानवरों में फैलता है वायरस:जैसे नाम से ही स्पष्ट है कि कैनाइन डिस्टेंपर वायरस मुख्य रूप से कुत्तों (कैनाइन) और बिल्ली प्रजाति (फैलाइन) के जंगली प्राणियों में फैलने वाला संक्रमण है इस वायरस से बाघ, शेर, तेंदुआ, चीता जगुआर जैसी बिल्ली प्रजाति के साथ ही भेड़िया, सियार, लोमड़ी और रैकून जैसी कुत्ते प्रजाति के जानवर भी संक्रमित हो सकते हैं।

पिछले साल कराया था 240 कुत्तों को वैक्सीन: टाइगर रिजर्व ने पिछले साल आसपास के गांवों में कुत्तों का टीकाकरण कराया था। वनक्षेत्र से लगे हिनौती, हरदुआं, चनगुंवा, छिरारी, बगासपुरा, गुणा, तालसेमरा, देवलपानी, सलैया और अंनतपुरा, बेलखेड़ी, सिमरिया गांव में करीब 240 से अधिक कुत्तों का टीकाकरण कराया था। इस बार भी संक्रमण की आशंका को देखते हुए अतिरिक्त सावधानियां बरती जा रही है अधिकारी लगातार बाघों के व्यवहार पर नजर रखे हुए है। कोई भी असामान्य लक्षण जैसे कमजोरी, भटकाव या याददाश्त की कमी दिखते ही तुरंत हस्तक्षेप किया जाएगा। **बीमार गाय-भैंस का मांस खाने से बाघ को आ सकता है अटैक:**कुत्तों के साथ आसपास के गांव में गाय भैंस का भी टीकाकरण किया गया था। शाकाहारी जानवरों में मुंहपका और खुरपका रोग होता है यह जानवर जंगल में चरने जाते है ऐसे में उनसे यह रोग अन्य शाकाहारी जानवर जैसे हिरण और नीलगाय में फैल सकता है। बीमार जानवर का मांस खाने से बाघ को अटैक

आने की संभावना रहती है। इसलिए पिछले साल ही आसपास के गांव के गाय-भैंस को एफएमडी व एसएसबीक्यू वैक्सीन लगाई गई थी

पालतू कुत्तों में यह वैक्सीन लगवानी चाहिए: विशेषज्ञ के अनुसार करीब 72 प्रतिशत कुत्तों में यह होता है, पर सभी को असर नहीं करता यह कभी भी ट्रिगर कर सकता है। इसके लिए टीकाकरण आवश्यक है। कुत्तों के वैक्सीनेशन का काम करने वाली यारा फाउंडेशन की स्वाति विश्वास ने बताया कि यह वायरस कैनाइन स्पीसिस में होता है, इसके लिए वैक्सीनेशन होता है लेकिन कैनाइन वायरस की वैक्सीन बहुत महंगी होती है तो सभी कुत्तों में लगाना संभव नहीं है। इससे बचाव के लिए लोगों को अपने पालतू कुत्तों में यह वैक्सीन लगवानी चाहिए। **कुत्तों से बाघों तक पहुंच सकता है यह वायरस:** यह वायरस आमतौर पर संक्रमित य कुत्तों से जंगली जानवरों तक पहुंचता है। गांवों से जंगल तक फैलने का खतरा होता है। टाइगर रिजर्व के आसपास लगभग 40 गांव बसे हुए हैं। यदि इन गांवों में कोई कुत्ता संक्रमित हुआ तो वायरस तेजी से अन्य कुत्तों में फैल सकता है। जंगल में घुसने वाले कुत्तों के माध्यम से यह बाघों और तेंदुओं तक पहुंचने का खतरा बना रहता है। **सीधे संपर्क में आने पर होता है संक्रमण:** कैनाइन डिस्टेंपर वायरस सीधे शारीरिक संपर्क से फैलता है। एक साथ घूमने, एक स्थान पर रहने या संक्रमित जानवर का शिकार करने से यह दूसरे जानवर में पहुंच सकता है। बाघ अधिकतर अकेले रहते है लेकिन अगर किसी कुत्ते को यह संक्रमण है और बाघ उस कुत्ते का शिकार करता है तो ऐसे में यह वायरस फैलने का खतरा हो सकता है। बाघ अमूमन अकेले रहते हैं, लेकिन यदि कोई - संक्रमित कुत्ता जंगल में मारा जाता है - तो वायरस बाघ तक पहुंचने की आशंका बढ़ जाती है। **क्या है कैनाइन डिस्टेंपर वायरस:**कैनाइन डिस्टेंपर वायरस एक बेहद संक्रामक बीमारी है जो मुख्य रूप से श्वानों और जंगली मांसाहारी जानवरों में फैलती है। यह केवल श्वानों तक सीमित नहीं, बल्कि बाघ, शेर, तेंदुआ, लोमड़ी, भेड़िया लकड़बग्घा और अन्य जीवों को भी संक्रमित कर सकता है। जंगलों में अक्सर आवारा या संक्रमित श्वान इसका बड़ा स्रोत माने जाते हैं।

बाघों को क्या है नुकसान: कैनाइन डिस्टेंपर वायरस से संक्रमित होने पर सांस लेने में दिक्कत, खांसी, फेंफड़ों में संक्रमण, उल्टी, दस्त, कमजोरी, भूख कम होना, चलने में लड़खड़ाहट, शरीर कांपना, सिर टेढ़ा होना और शिकार करने की क्षमता कम हो जाती है।

इनका कहना: यह वायरस सभी कैनाइन और फैलाइन प्रजातियों को प्रभावित कर सकता है। जंगल का क्षेत्रफल बहुत बड़ा होने के कारण हर जगह निगरानी रखना चुनौतीपूर्ण है, लेकिन हम बाघों की निरंतर मॉनिटरिंग कर रहे हैं। लक्षण दिखते ही तुरंत इलाज और वैक्सीनेशन की व्यवस्था की जाएगी साथ ही आवारा श्वानों का वैक्सीनेशन किया जाएगा जिस पर कार्ययोजना बनाई जा रही है जल्द ही इस पर कार्रवाई की जाएगी

रजनीश सिंह, डिप्टी डायरेक्टर वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व।

लावारिस शव को दफनाने नहीं मिला वाहन

कचरा फेके जाने वाले स्थान पर दफनाने पर उठे सवाल

पीपुल्स प्रवक्ता दमोह/ तेंदूखेड़ा ।

नगर में एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने मानवता शर्मसार और संवेदनशीलता को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं बीते दिन बगदरी के जंगल में एक पेड़ से लटका हुआ चार-पांच दिन पूर्व का एक अज्ञात शव शुक्रवार को देखा गया सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर उसकी पहचान करने का प्रयास किया गया।

काफी खोजबीन और पूछताछ के बावजूद मृतक की पहचान नहीं हो सकी पहचान नहीं होने के कारण शव को लावारिस घोषित कर दिया गया। शनिवार शाम नगर परिषद के कर्मचारियों द्वारा उक्त अज्ञात शव को नगर के खकरिया मार्ग पर सड़क से लगभग 40 फीट दूर वार्ड क्रमांक 9 स्थित संदीपनी विद्यालय एवं कॉलेज के पास जहां पूरे नगर का कचरा निष्पादन केंद्र है उसी जगह दफनाया गया। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में जो दृश्य सामने आया, उसने नगरवासियों को स्तब्ध कर दिया। नगर परिषद द्वारा शव को ले जाने के लिए किसी शव वाहन का उपयोग नहीं किया गया,

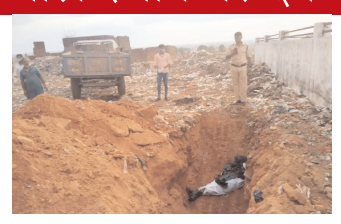

बल्कि कचरा ढोने वाले ट्रैक्टर-ट्रॉली में रखकर अंतिम स्थल तक पहुंचाया गया। हैरानी की बात यह रही कि ट्रॉली में उस समय भी कुछ कचरा मौजूद था इस घटना को जिसने भी देखा, वह आश्चर्य और दुख में पड़ गया। नगर के महाराज सिह,सुखदेव का कहना है कि चाहे शव लावारिस ही क्यों न हो, लेकिन वह भी किसी इंसान का शरीर था और उसके साथ गरिमा एवं सम्मानजनक व्यवहार किया जाना चाहिए था। लोगों ने सवाल उठाए हैं कि क्या प्रशासन के पास कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं थी क्या किसी अन्य वाहन की व्यवस्था नहीं की जा सकती थी इस घटना ने शासन-प्रशासन की व्यवस्थाओं और संवेदनशीलता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है। जानकारी के अनुसार नगर परिषद के पास वर्तमान में शव वाहन उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण कर्मचारियों ने मजबूरी में कचरा ट्रैक्टर-ट्रॉली का उपयोग किया। हालांकि स्थानीय लोगों का मानना है कि संसाधनों की कमी के बावजूद मानवता और संवेदनशीलता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए थी इस घटना के बाद नगर में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। लोगों का कहना है कि यह मामला केवल एक लावारिस शव का नहीं, बल्कि इंसानियत और सामाजिक जिम्मेदारी का है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन इस मामले को कितनी गंभीरता से लेता है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं और इस लापरवाही बरतने वाले कर्मचारियों व अधिकारियों पर क्या कार्रवाई होती है वहीं नगर के लोगों का कहना है। **इनका कहना:** नगर निरीक्षक रविंद्र बागरी ने कहा कि मैं पुलिस अधीक्षक द्वारा ली जा रही मीटिंग में हूं नगर परिषद के सीएमओ प्रेम सिंह चौहान का कहना है कि मैं इस संबंध में नगर निरीक्षक से बात करता हूं मुझे इसकी जानकारी नहीं है तेंदूखेड़ा एसडीओपी अर्चना अहीर का कहना है।

खेतों में बिखरेगी तिल की खुशबू, जायद के सीजन में किसानों ने की 366 हेक्टेयर में बोनी

पीपुल्स प्रव ता जबलपुर।

जिले के कृषि परिदृश्य में इस वर्ष एक बड़ा और सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के नेतृत्व में सरकार की कृषक हितैषी नीतियों और फसल विविधीकरण अभियान से प्रेरित होकर जबलपुर के किसानों ने इस बार ग्रीष्मकालीन (जायद) सीजन में तिल की खेती की ओर विशेष रुचि दिखाई है। कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार, जहाँ बीते वर्ष जायद सीजन में जिले में तिल का रकबा शून्य था, वहीं इस वर्ष किसानों ने 366 हेक्टेयर क्षेत्र में तिल की बोनी कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

शून्य से 366 हेक्टेयर तक का सफर पिछले कुछ वर्षों तक ग्रीष्मकाल में किसान मुख्य रूप से मूंग या उड़द पर निर्भर थे। लेकिन प्रशासन और कृषि विशेषज्ञों द्वारा चलाये गये जागरूकता अभियान का असर धरातल पर दिखाई देने लगा है।सिंचाई की उपलब्धता एवं कम लागत में अधिक मुनाफे की संभावना को देखते हुए, इस बार किसानों ने तिल को प्राथमिकता दी है। तिल की खेती ही क्यों :- विशेषज्ञों के अनुसार, ग्रीष्मकालीन तिल की किसानों के लिए वरदान साबित हो सकती है।

नेशनल लोक अदालत में सुलह व समझौते से आपसी विवादों का हुआ अंत

न्यायालय में लंबित 268 प्रकरणों का हुआ निराकरण

पीपुल्स प्रवक्ता दमोह।

म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार परस्पर समझौते के आधार पर त्वरित एवं सुलभ न्याय दिये जाने के उद्देश्य से नेशनल लोक अदालत का आयोजन जिला न्यायालय दमोह तथा तहसील न्यायालय, हटा, पथरिया, तेंदूखेड़ा में श्री सुभाष सोलंकी, प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दमोह के मार्गदर्शन में किया गया।

जिला मुख्यालय दमोह पर नेशनल लोक अदालत का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश, श्री सुभाष सोलंकी द्वारा ए.डी.आर. भवन में माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इस अवसर पर प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय श्री मोहम्मद अजहर, विशेष न्यायाधीश/प्रभारी अधिकारी नेशनल लोक अदालत श्री उदय सिंह मरावी, मुख्य न्यायिक

मजिस्ट्रेट सुश्री स्नेहा सिंह सहित जिला मुख्यालय दमोह में पदस्थ समस्त न्यायाधीशगण, अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ दमोह श्री कमलेश भारद्वाज, उपाध्यक्ष मनीश नगाइच सहित समस्त डिफेंस काउंसिल, उप प्रशासनिक अधिकारी जिला न्यायालय श्री शमीम कुरैशी, अध्यक्ष तृतीय श्रेणी न्यायिक कर्मचारी संघ श्री दीपक सोनी, अध्यक्ष चतुर्थ श्रेणी न्यायिक कर्मचारी संघ श्री विश्वानाथ बिल्थरे सहित न्यायालयीन व विधिक सेवा प्राधिकरण के समस्त कर्मचारीगण उपस्थित हुये। इस अवसर पर प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री सुभाष सोलंकी ने संबोधित करते हुये कहा कि वर्ष की इस द्वितीय लोक अदालत के सफल बनाये जाने हेतु लंबित प्रकरणों की प्रिसिटिंग आयोजित किये जाने हेतु निर्देष दिये गये थे, जिसके परिपालन में प्रिसिटिंग आयोजित की जाकर अनेक प्रकरणों में सहमति बनाने का प्रयास किया गया जिसमें अधिवक्ताओं का पूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ है प्रकरणों के निराकरण हेतु संपूर्ण जिले में 20 खण्डपीठों का गठन किया गया है। आशा है कि यह लोक अदालत सभी के सहयोग से सफल होगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण उक्त नेशनल लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य दांडिक, सिविल, चैक अनादरण, वाहन दुर्घटना क्षतिपूर्ति दावा, वैवाहिक मामले, विद्युत से संबंधित प्रकरणों के साथ-साथ बैंकों, दूरसंचार, विद्युत एवं नगर पालिका के प्रिलिटिगेशन प्रकरणों को निराकरण हेतु रखा गया था।

भाजपा का दो दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग सफलता पूर्वक संपन्न

कार्यकर्ताओं के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित रहा भाजपा का प्रशिक्षण वर्ग, भाजपा प्रशिक्षण वर्ग बना कार्यकर्ता निर्माण का सशक्त मंच

पीपुल्स प्रवक्ता दमोह।

भारतीय जनता पार्टी दमोह द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाअभियान अंतर्गत जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे के नेतृत्व में आयोजित जिला प्रशिक्षण वर्ग (9 एवं 10 मई) का द्वितीय दिवस सुव्यवस्थित विभिन्न विषयों पर क्रमबद्ध सत्र आयोजित कर कार्यकर्ताओं को वैचारिक एवं संगठनात्मक रूप से सशक्त किया गया। प्रथम दिवस के छह सत्रों एवं रात्रि विश्राम के पश्चात द्वितीय दिवस की शुरुआत योग एवं व्यायाम के साथ हुई।

जिसमें कार्यकर्ताओं को स्वस्थ जीवनशैली एवं अनुशासन का संदेश दिया गया। द्वितीय दिवस में सप्तम सत्र के विषय विचार परिवार में भाजपा के वैचारिक आधार, संगठन के प्रेरणा स्रोत एवं राष्ट्रवादी विचारधारा पर विस्तार से प्रकाश डाला गया। वक्ता बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के संयोजक अनुराग प्यासी ने कार्यकर्ताओं को विचार परिवार की मूल भावना से अवगत कराया। सत्र की अध्यक्षता पूर्व विधायक श्रीमती सोना बाई अहिरवार ने की। अष्ठम सत्र कार्य विस्तार विषय पर संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, नए कार्यकर्ताओं को जोड़ने एवं जनसंपर्क बढ़ाने के उपाय बताए गए। इस सत्र को मध्यप्रदेश शासन में वन मंत्री दिलीप अहिरवार ने संबोधित किया। एवं सत्र की अध्यक्षता जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र गुरू ने की। नवम सत्र में प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी

योजनाओं, विकास कार्यों एवं उपलब्धियों की जानकारी दी गई। वक्ता प्रदेश मंत्री एवं दमोह जिला प्रभारी श्रीमती अर्चना सिंह ने कार्यकर्ताओं से इन योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। सत्र की अध्यक्षता पूर्व मंडल अध्यक्ष राम सींग ने की। दशम सत्र में देश के समसामयिक राजनीतिक एवं सामाजिक विषय में वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य, सामाजिक चुनौतियों एवं संगठन की भूमिका पर चर्चा की गई। वक्ता संभागीय प्रशिक्षण वर्ग संयोजक जाहर सिंह ने कार्यकर्ताओं को सजग एवं सक्रिय रहने का संदेश दिया। सत्र की अध्यक्षता पूर्व जिला महामंत्री भाव सिंह लोधी ने की। एकादश सत्र में 'कार्यकर्ता विकास, संभाल एवं दायित्व बोध' विषय पर वक्ता विवेक चतुर्वेदी ने कार्यकर्ताओं को संगठन की रीढ़ बताते हुए उनके निरंतर विकास, सही मार्गदर्शन एवं जिम्मेदारी के निर्वहन पर विशेष जोर दिया। सत्र की अध्यक्षता पूर्व जिला उपाध्यक्ष बहादुर पटेल ने की। द्वादश एवं समापन सत्र में जिला अध्यक्ष श्याम शिवहरे, प्रदेश मंत्री एवं दमोह जिला प्रभारी श्रीमती अर्चना सिंह, राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार धर्मेंद्र सिंह, दमोह सांसद राहुल सिंह, पूर्व मंत्री दमोह विधायक जयंत मलैया, हटा विधायक उमा देवी खटीक, प्रशिक्षण वर्ग संभाग प्रभारी जाहर सिंह, जिला प्रशिक्षण वर्ग प्रभारी अभिषेक भार्गव, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रंजीत पटेल, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती मंजू कटारे मंचासीन रही।

विधायक जयंत मलैया ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सरकारों की उपलब्धियां बहुत है यदि हम पूर्ववर्ती गैर भाजपा सरकारों से तुलना करें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में अधोसंरचना को लेकर बहुत अधिक विकास कार्य किए गए हैं।

बड़ी मां ने जहर देकर गला दबाया फिर सिर पर पत्थर पटककर की तीन साल के अनिरुद्ध की हत्या

शव को भूसे में छिपाकर घर से 50 मीटर दूर रात के अंधेरे में गोबर के ढेर पर फेंका

पीपुल्स प्रवक्ता दमोह।

तेजगढ़ थाना क्षेत्र की इमलिया चौकी के महुआखेड़ा गांव में 3 वर्षीय बच्चे अनिरुद्ध सिंह की हत्या का मामला सुलझ गया है पुलिस ने बच्चे की सगी बड़ी मां राजकुमारी लोधी को गिरफ्तार किया है जिसने भतीजे का अपहरण कर हत्या कर दी थी हत्या कारण आंगन के विवाद में अपने ही भतीजे को जहर देकर और गला दबाकर मौत के घाट उतार दिया और रात के अंधेरे में शव को घर से 50 मीटर दूर गोबर भूसे के ढेर में फेंक दिया था ।

मृतक के दादा छोटे सिंह लोधी ने बताया कि विवाद की असली वजह घर का आंगन था अनिरुद्ध के पिता तीन भाई हैं और सबके पास चार-चार एकड़ जमीन है, लेकिन साझा आंगन दादा के नाम था राजकुमारी चाहती थी कि वह आंगन उसके नाम हो जाए ताकि वहां से कोई दूसरा न निकल सके। इसी रंजिश में 3 मई, शुक्रवार सुबह 9:30 बजे, जब घर के नल खुले

थे और सब काम में व्यस्त थे, उसने अनिरुद्ध को अगवा कर लिया शनिवार को ही पुलिस ने इस पूरे घटनाक्रम का खुलासा कर दिया है जांच में यह बात सामने आई है की आरोपी महिला ने मासूम को बड़ी क्रूरता से मारा है।

आरोपी महिला ने पहले बच्चे को कीटनाशक पिलाया लेकिन उसकी मौत नहीं हुई इसके बाद गला दबाकर हत्या की और जिंदा होने की आशंका पर पत्थर से सिर कुचल दिया हत्या के बाद शव को बोरी में भरकर पहले भूसे की बाखर में छिपाया और शनिवार सुबह मौका देखकर घर के पास गोबर के ढेर में दबा दिया है। दमोह एसपी आनंद कलादगी के अनुसार, आरोपी महिला ने पहले बच्चे को जहर खिलाया, फिर गला दबाया और सिर पर पत्थर पटककर उसकी हत्या कर दी। उसने शव को बोरे में भरकर घर के अंदर ही भूसे के ढेर में छिपा दिया शुक्रवार रात भर पुलिस गांव में सर्चिंग करती रही, इसलिए वह शव बाहर नहीं निकाल सकी। इस दौरान वह खुद भी परिजन के साथ बच्चे को खोजने का नाटक करती रही शनिवार सुबह जैसे ही पुलिस घर के पास से हटी, राजकुमारी ने शव को भूसे से निकालकर प्लास्टिक के टब में रखा और बाहर गोबर के ढेर पर फेंक दिया। जहां से पुलिस को बोरे में बंद शव मिला डॉग शव मिलने वाले स्थान से सीधे महिला के घर के गेट के भीतर पहुंचा और उस स्थान तक गया जहां मरने के बाद शव छिपाया गया था वहां पर खून से सनी बोरी पत्थर और भूसा मिला जिस पर पुलिस का संदेह यकीन में बदला और बाद में पूछताछ में राजकुमारी ने हत्या करना स्वीकार कर लिया रविवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंपा गया।

शराब दुकानदारों की मनमानी चरम पर

नियमों को ताक पर रख अधिक कीमत पर बेची जा रही शराब

बिल देने के नियम की उड़ाई जा रही धज्जियां, आबकारी विभाग बना मूकदर्शक

पीपुल्स प्रवक्ता आमला।

मध्यप्रदेश सरकार द्वारा शराब बिक्री में पारदर्शिता लाने और अवैध तथा जहरीली शराब की रोकथाम के उद्देश्य से सितंबर 2021 में शराब खरीदने पर ग्राहकों को बिल (कैश मेमो) देना अनिवार्य किया गया था। लेकिन आमला क्षेत्र में यह नियम पूरी तरह कागजों तक सीमित होकर रह गया है।

नए शराब ठेके शुरू होने के बाद भी दुकानदार खुलेआम नियमों की अनदेखी कर रहे हैं और ग्राहकों से मनमाने दाम वसूल रहे हैं। जानकारी के अनुसार एक अप्रैल 2026 से नए शराब ठेके लागू हुए हैं, लेकिन आमला बस स्टैंड स्थित शराब दुकान नंबर-1 और बोड़खी शराब दुकान पर ग्राहकों को शराब खरीदने के बाद बिल नहीं दिया जा रहा। यदि कोई ग्राहक बिल मांगता है तो उसे उल्टा खरी-खोटी सुनाई जाती है या साफ मना कर दिया जाता है। इससे साफ जाहिर होता है कि शराब दुकानदारों में प्रशासन का कोई भय नहीं बचा है।

अधिकतम मूल्य से ज्यादा वसूली की शिकायतें: शहर में शराब दुकानों पर तय कीमत से अधिक राशि वसूले जाने की लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। खासतौर पर क्वार्टर, पौवा और अध्धी लेने वाले ग्राहकों से ज्यादा रकम ली जा रही है। मजबूरी में ग्राहक महंगे दामों पर शराब खरीदने को विवश हैं। बताया जा रहा है कि इस बार शराब ठेकों की नीलामी अधिक राशि में हुई है, जिसके चलते ठेकेदार घाटे की भरपाई आम लोगों की जेब काटकर कर रहे हैं। ग्राहकों का कहना है कि दुकानों के बाहर रेट लिस्ट भी नहीं लगाई गई है, जबकि यह शासन के नियमों में अनिवार्य है। बिल नहीं मिलने से उपभोक्ता यह साबित भी नहीं कर पाते कि उनसे कितनी अतिरिक्त राशि वसूली गई।

सरकार का आदेश सिर्फ कागजों तक सीमित: मध्यप्रदेश शासन द्वारा स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि प्रत्येक लाइसेंसधारी शराब विक्रेता ग्राहकों को प्रमाणित कैश मेमो देगा। इसके लिए दुकानदारों को

आबकारी कार्यालय से प्रमाणित बिल बुक उपयोग में लाने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही उसकी कार्बन कॉपी ठेका अवधि समाप्त होने तक सुरक्षित रखना भी अनिवार्य किया गया था। इतना ही नहीं, बिल पर अधिकृत अधिकारी का मोबाइल नंबर भी अंकित करना जरूरी किया गया था ताकि ग्राहक शिकायत दर्ज करा सकें। लेकिन आमला की शराब दुकानों पर इन सभी नियमों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। सवाल यह उठता है कि आखिर आबकारी विभाग की निगरानी व्यवस्था कहां गायब है?

आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल:लगातार शिकायतों के बावजूद आबकारी विभाग द्वारा कोई ठोस कार्रवाई नहीं किए जाने से विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो शराब दुकानदारों की मनमानी और बढ़ेगी तथा उपभोक्ताओं का आर्थिक शोषण जारी रहेगा।

इनका कहना है: आपके द्वारा जानकारी प्राप्त हुई है, मैं जांच करवाकर उचित कार्रवाई करता हूं। **राजेश वट्टी, आबकारी निरीक्षक, आमला।**

दामजीपुरा में विशाल स्वास्थ्य शिविर आयोजित,442 मरीजों का हुआ पंजीयन

पीपुल्स प्रवक्ता दामजीपुरा।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दामजीपुरा में केंद्रीय मंत्री डी डी उइके एवं भैसदेही विधायक के नेतृत्व में एक दिवसीय विशाल स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ भारत माता एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।

समाजसेवी गुरदीप सिंह सलूजा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना शासन की प्राथमिकता है। वहीं जनपद सदस्य संतोष चौहान ने स्वास्थ्य विभाग की टीम की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर दूर-दराज के लोगों के लिए लाभकारी साबित हो रहे हैं। सरपंच श्रीमती नीतू काकोड़िया ने दामजीपुरा क्षेत्र में 50 बिस्तरों वाले अस्पताल की आवश्यकता बताते हुए कहा कि क्षेत्र की बढ़ती आबादी को देखते हुए बड़े अस्पताल की जरूरत है, जिससे लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। भीमपुर बीएमओ डॉ. दीपक निगवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में कुल 442 मरीजों का पंजीयन हुआ। इनमें स्त्री रोग के 53, शिशु

रोग के 35, गैर संचारी रोग के 82, कैंसर के 24, नेत्र रोग के 23, नाक-कान-गला के 6, मलेरिया के 5 तथा टीबी के 4 मरीज शामिल रहे। सभी मरीजों की जांच कर आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया गया।

बीपीएम तिवारी मोरले ने ग्रामीणों को विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी, जबकि एमओ डॉ. पंकज उइके ने मौसमजनित बीमारियों से बचाव एवं स्वच्छता अपनाने की सलाह दी। शिविर में जिले से पहुंचे विशेषज्ञ चिकित्सकों ने भी मरीजों का परीक्षण कर आवश्यक परामर्श दिया। शिविर के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण, जनप्रतिनिधि एवं स्वास्थ्य विभाग का अमला उपस्थित रहा। आयोजन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला।